Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाययोजना
खाद्य प्रसंस्करण-हल्दी पाउडर(2023-24)

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	नव जागृति स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	धनस्वाई-स्योता
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	स्वारघाट
डी एम यू/वनमंडल का नाम	:	बिलासपुर
एफ सी सी यू / सर्कल	:	बिलासपुर
हि प्र व पा त प्र औरआ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार:- डी एम यू बिलासपुर, एफ टी यू स्वारघाट और नव जागृति स्वयं सहायता समूह	

विषय सूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समूह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
उत्पादन प्रक्रिया	8-9
उत्पादन योजना	10
विपणन / बिक्री का विवरण	10-11
स्वोट अनालिसिस	11-12
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	12
अर्थशास्त्र का विवरण	12-14
आय-व्यय का विशलेषण	15
फण्ड की आवश्यकता	15-16
फण्ड का स्रोत	16-17
निगरानी	18
अनुलग्नक	19-20

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसकाआबादी घनत्व काफी है ।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों औरहिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्तेमंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा हैं। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

धनस्वाई-स्योता वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से , "नव जागृति " स्वयं सहायता समूह ने खाद्य-प्रसंस्करण हल्दी-पाउडर बनाने का कार्य चुना। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने हल्दी पोवदर बनाने का फैसला किया। जिसमें डॉ0 उल्शीदा,विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, अनिल कुमार,वन रक्षक, बनेर बीट और पूनम ठाकुर एफ टी यु कोऑर्डिनेटर स्वारघाट शामिल रहे ।

कार्यकारी सारांश

धनस्वाई स्योता वन ग्रामीण विकास समिति:-

धनस्वाई स्योता वन ग्रामीण विकास समिति में धनस्वाई और स्योता दो गांव शामिल है इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम धनस्वाई में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के स्वारघाट ब्लॉक में स्थित है धनस्वाई स्योता वन ग्रामीण विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के स्वारघाट वन परिक्षेत्र के तहत स्वारघाट वन खण्ड के बनेर बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	97
बीपीएल परिवार	20=20.5%
कुल जनसंख्या	354

स्वयं सहायता समूह का विवरण

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह का गठन अप्रैल 2021 में धनस्वाई-स्योता ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब किसान शामिल हैं। नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह महिला समूह (दस महिला) है जिसमें समाज के वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि जंगली जानवरों से फ़सल की बर्बादी व सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने हल्दी उत्पादन व् प्रसंस्करण का कार्य करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में कुल 10 सदस्य हैं सभी ने इस कार्य को करने का फैसला किया और इनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह(प्रति सदस्य) है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	शकुन्तला देवी w/o राजेन्द्र	प्रधान	सामान्य	40	MA B.Ed	8219117901
2.	कांता देवी w/o बालमुकुन्द	सचिव	—"—	45	8th	7018638047
3.	माया देवी w/o श्याम लाल	कोषाध्यक्ष	—"—	41	12th	7018390149
4.	अंजना देवी w/o बालक राम	सदस्य	—"—	35	8th	9817760081
5.	प्रमिला देवी w/o सुरेन्द्र	—"—	—"—	32	10th	8544772424
6.	पूनम देवी w/o धनदेव	—"—	—"—	30	B.A	8219309690
7.	रजनी देई w/o सीताराम	—"—	—"—	47	10th	9736602289
8.	सीमा देवी w/o प्रकाश	—"—	—"—	38	8th	7018994687
9.	ज्योति देवी w/o सन्तोष	—"—	—"—	28	10th	7076235874
10.	निर्मला देवी w/o रूपलाल	—"—	—"—	50	5th	9625109881
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

शकुन्तला देवी (प्रधान)

कांता देवी(सचिव)

माया देवी(कोषाध्यक्ष)

अंजना देवी (सदस्य)

प्रोमिला देवी (सदस्य)

पूनम देवी (सदस्य)

राजदेई (सदस्य)

सीमा देवी (सदस्य)

ज्योति देवी (सदस्य)

बिमला देवी(सदस्य)

नव जागृति स्वयं सहायता समूह धनस्वाई-स्योता

एसएचजी का नाम	::	नव जागृति
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	धनस्वाई-स्योता
परिक्षेत्र	::	स्वारघाट
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	स्योता
खंड	::	स्वारघाट
ज़िला	::	बिलासपुर
सी आई जी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	अप्रैल,2021
बैंक का नाम और विवरण	::	हि०प्र०सहकारी बैंक स्वारघाट
बैंक खाता संख्या	::	11810108216
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.50/-माह
कुल बचत	::	13449/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	40किमी
मेन रोड से दूरी	: :	9 किमी
स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	:	स्वारघाट 14किमी, गम्बर 15किमी, बिलासपुर 40 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	स्वारघाट 14 किमी, गम्बर 15किमी, बिलासपुर 40 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	स्वारघाट , बिलासपुर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	-

- ✧ उँगलियाँ माँ प्रकंद से अलग हो जाती हैं। मदर राइजोम को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

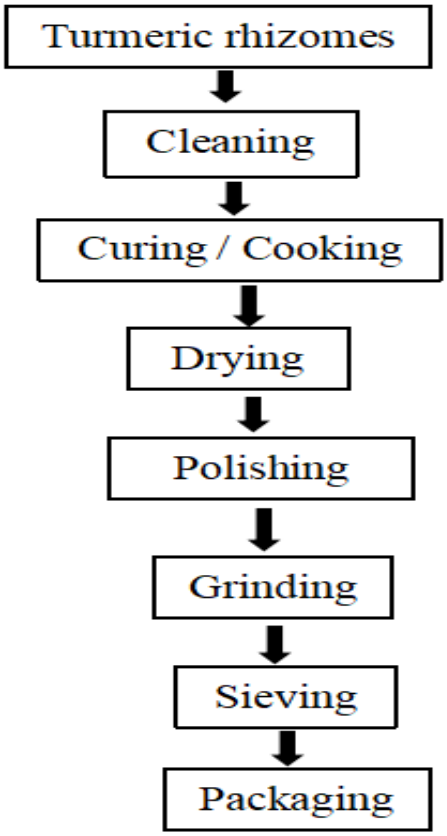

❖ प्रसंस्करण-

- ✧ <u>पसीना आना</u>

  हल्दी को जमीन से खोदने के बाद पौधे से पत्तियों को अलग किया गया और सभी अशुद्धियों को दूर करने के लिए जड़ों को सावधानी से धोया गया। पत्ती के छिलके और लंबी जड़ें छंट जाती हैं और प्रकंद और शाखाएं अलग हो जाती हैं और पत्तियों में ढक जाती हैं और फिर पसीने के लिए एक दिन तक रहती हैं।

- ✧ <u>इलाज</u>

हल्दी का सूखा रूप पाने के लिए इसका इलाज किया जा रहा है। प्रकन्दों को धोने के बाद पानी में उबालकर धूप में सुखाया जाता है। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाए। उबाल आने पर आमतौर पर उबाल बंद हो जाता है और सफेद धुएं एक विशिष्ट गंध देते हुए दिखाई देते हैं। जिस चरण में उबलना बंद हो जाता है वह अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ सुखाने

हल्दी को ठीक करने के बाद अगला चरण सुखाना है। सुखाने के लिए फर्श या बाँस की चटाइयों का उपयोग करके हल्दी की 5-7 सेंटीमीटर मोटी परत को धूप में फैलाकर सुखाएं। ठीक से सूखने में 10-15 दिन लगते हैं। रात में हल्दी को एक ऐसे पदार्थ से ढक दिया जाता है जो वातन प्रदान करता है।

✧ चमकाने

सूखने के बाद शल्कों और जड़ों के काटने के साथ इसकी बाहरी सतह खुरदुरी होती है। चमकाने से उपस्थिति में सुधार होगा और इसके लिए मूल रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रगड़ तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।

रंग

हल्दी का रंग बहुत मायने रखता है। जैसा कि उत्पाद के रंग के अनुसार कीमत तय की गई थी।

✧ हल्दी की पिसाई

पॉलिश की हुई हल्दी उँगलियों को पीसती है। हल्दी पाउडर को खपत और पुनर्विक्रय के लिए तैयार करने के लिए पीसना सबसे आम कार्यों में से एक है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेश पीसने वाली मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से प्लेट मिल और हैमर मिल का उपयोग हल्दी पीसने के लिए किया जाता है।

✧ sieving

पिसे हुए मसालों को छलनी के माध्यम से आकार में छांटा जाता है, और बड़े कणों को आगे पीसा जा सकता है। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली स्क्रीन 60 - 80 जाल आकार की होती हैं।

✧ <u>पैकेजिंग और भंडारण</u>

हल्दी को पॉलीथीन के साथ लेपित एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है। इसके अलावा, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है। इसलिए हल्दी नमी की मात्रा नहीं खोती है।

उत्पादन योजना -

.1	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र) दिनों में(	10-8दिन
.2	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति)सं(.	सभी देवियाँ
.3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
.5	प्रति माह आवश्यक मात्रा) किग्रा(	1,000
.8	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन) किग्रा(	1,000

अवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनुक्रमांक	कच्चा माल	यूनिट	समय	मात्रा)लगभग(	राशि प्रति किग्रा) रु(.	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह) किग्रा(
1	कच्ची हल्दी	किलो ग्राम	महीने के	1000	40	40,000	1000

बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाजार स्थान	बिलासपुर

2	इकाई से दूरी	20 km
3	उत्पादन बाजार स्थान/स्थानों की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	SHG के सदस्य सीधे अपने उत्पाद को गाँव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। खुदरा विक्रेता द्वारा भी ,निकट बाजारों के थोक व्यापारी द्वारा। प्रारंभ में उत्पाद 5 और 1 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा ।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद" नारा"	"शिल्पा-ऑर्गेनिक हल्दी "

स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध।
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन के लिए आसान।
  - उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।
  - घर का बना, कम कीमत।
- कमज़ोरी-
  - निर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - अत्यधिक श्रम गहन कार्य।

- ✧ अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें

❖ मौका-

- ✧ लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- ✧ सौंदर्य उत्पादों को बनाने के लिए सौंदर्य ब्रांडों द्वारा दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, रसोइयों और रसोइयों, गृहिणियों में उच्च मांग और दवा कंपनियों द्वारा भी।
- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- ✧ दैनिक खपत।

❖ खतरे/जोखिम-

- ✧ विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- ✧ कच्चे माल की कीमत में अचानक से बढ़ोत्तरी।
- ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार।

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से SHG समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- ❖ कुछ समूह सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया में शामिल होंगे (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि)।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।
- ❖ हल्दी जिला बिलासपुर का पंजीकृत जिला उत्पाद घोषित किया गया है इसलिए इस उत्पाद को और मशुरी देने के लिए इसका उत्पादन प्रसंस्करण किया जाना भी आवश्यक है

अर्थशास्त्र का विवरण -

क. पूंजीगत लागत				
क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु)
2	हल्दी पीसने की मशीन	1	30,000	30,000
3	भंडारण टैंक	1	10,000	10,000

4	तोलन यंत्र	1	1,000	1,000
5	रसोई घर के उपकरण	-	रास	6,000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक	-	6,000	6,000
7	हाथ से चलने वाली पैकिंग मशीन	1	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि		रास	1000
कुल पूंजी लागत (ए) =		**64,000**		

नोट - चूंकि कच्ची हल्दी का उत्पादन समूह के सदस्यों द्वारा किया जायेगा तथा श्रम का कार्य सदस्यों द्वारा स्वयं किया जायेगा, अत: यह लागत कुल आवर्ती लागत से कम की जायेगी।

बी आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	यूनिट	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	1000	40	40,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	-	2000
4	परिवहन	महीना	-	-	1000

5	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	-	-	2000
6	श्रम लागत	महीना	-	-	12000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 58000					

c. उत्पादन की लागत		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	58000
2	पूंजीगत लागत का सालाना 10% मूल्यह्रास	533
कुल = 58533		

D. विक्रय मूल्य की गणना			
क्र.सं.	विवरण	यूनिट	मात्रा
1	बनाने की किमत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अनुमानित बिक्री मूल्य	किलोग्राम	200

आय और व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	533
2	कुल आवर्ती लागत	58000
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1000
4	विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
5	आय सृजन (200 × 1000)	2,00,000
6	शुद्ध लाभ (2,00,000 – 58000)	142000
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ - (कच्चे माल की लागत + श्रम लागत टी)	=142000 - (40,000+12,000) = 90,000
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग IGA में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा

7.फंड की आवश्यकता -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान

1	कुल पूंजीगत लागत	64,000	48000	16000
2	कुल आवर्ती लागत	58000	0	58000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
संपूर्ण		**172000**	**98000**	**74000**

फण्ड का स्रोत :-

परियोजना का समर्थन	✧ पूँजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा । ✧ एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5%ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

एसएचजी योगदान	✧ एसएचज पूंजीगत लागत का 25% (समूह की बचत)देगा और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

.प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

.सम-विच्छेद बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(बिक्री मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

= 64,000/ (200-80)

= 120 किग्रा

120 किलो पाउडर बेचने के बाद ब्रेक-ईवन भी हासिल हो जाएगा।

बैक ऋण चुकौती-

यदि बैंक से ऋण लिया जाता है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए चुकौती अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का बैंकों को वर्ष में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए

- ✧ सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।

निगरानी विधि-

- ❖ VFDS की सोशल ऑडिट कमेटी IGA की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रोजेक्शन के अनुसार यूनिट के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ SHG को प्रत्येक सदस्य के IGA की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय उपार्जन
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

टिप्पणी :-

स्वयं सहायता समूह के सदस्य पूंजीगत लागत का 25% योगदान देगे और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। समूह सबसे पहले हल्दी पाउडर पर ध्यान केंद्रित करेगा। बाद में वे अन्य मसालों जैसे मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और कई अन्य में भी अपने व्यवसाय का विस्तार करें

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और बीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (खाद्य प्रसंस्करण - हल्दीपाऊडर बनाना) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	शकुंतला देवी w/o नरेन्द्र	प्रधान	सामान्य	40	Shakuntla Devi
2.	कांता देवी w/o बालमुकुन्द	सचिव	—"—	45	Kanta Devi
3.	मायादेवी w/o श्यामलाल	कोषाध्यक्ष	—"—	41	Maya Devi
4.	अंजनादेवी w/o बालकराम	सदस्य	—"—	35	AnjnaDevi
5.	प्रोमिलादेवी w/o सुरेन्द्र	—"—	—"—	32	Promila Devi
6.	पुनमदेवी w/o धनदेव	—"—	—"—	30	Poonm
7.	राजदेई w/o सीताराम	—"—	—"—	47	Raj Dei
8.	सीमादेवी w/o प्रकाशचन्द	—"—	—"—		Seema Devi
9.	ज्योतिदेवी w/o सन्तोषकुमार	—"—	—"—	38	Jyoti Devi
10.	बिमलादेवी w/o रूपलाल	—"—	—"—	28 / 50	बिमला देवी
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16					

सचिव Kaushalya Devi
नव जागृति स्वयं सहायता समूह
गांव घनस्वाई तह० श्री नैना देवी जी,
जिला बिलासपुर (हि०प्र०)
सचिव स्वयं सहायता समूह

प्रधान Shakuntla Devi
नव जागृति स्वयं सहायता समूह
गांव घनस्वाई तह० श्री नैना देवी जी
जिला बिलासपुर (हि०प्र०)
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर Anita Devi
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास
समिति

Anil Kumar
हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

Range Forest Officer
Swarghat Forest Range
Bilaspur Forest Division

डीएमयू द्वारा स्वीकृत